



IPEF मंत्रसितरीय बैठक 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

भारत ने 6 जून, 2024 को सगिापुर में आयोजित **इंडो-पैसफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी** (Indo-Pacific Economic Framework for Prosperity- IPEF), मंत्रसितरीय बैठक में भाग लिया, जिसमें **इंडो-पैसफिक क्षेत्र** में साझेदार देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव को मज़बूत करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की गई।

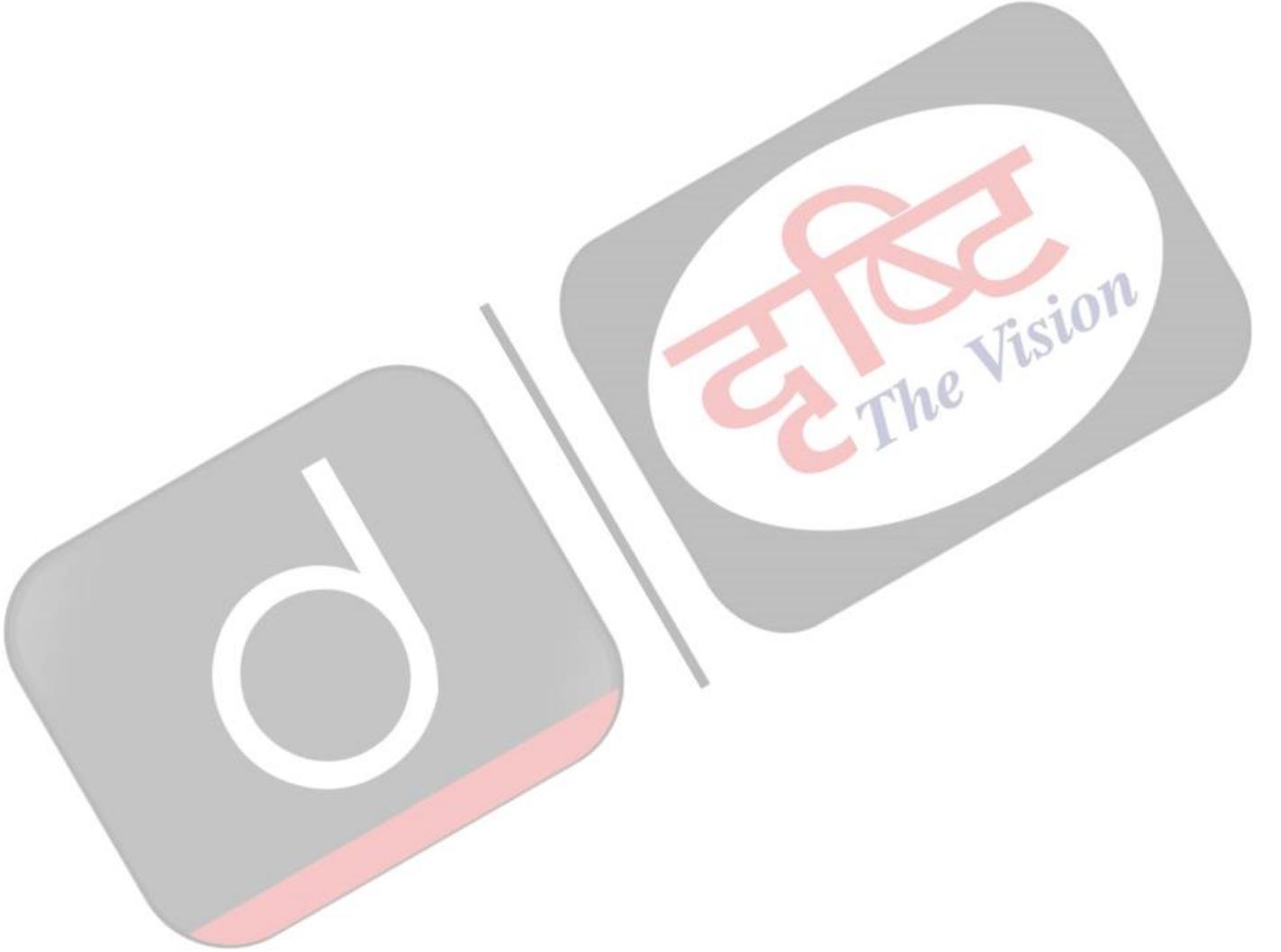
बैठक की प्रमुख वशिषताएँ क्या हैं?

- IPEF सदस्यों ने स्वच्छ अर्थव्यवस्था, नषिपक्ष अर्थव्यवस्था और समग्र IPEF समझौते पर केंद्रित तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किये।
 - भारत ने इन समझौतों पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किये हैं क्योंकि घरेलू अनुमोदन प्रक्रिया अभी भी चल रही है।
- स्वच्छ अर्थव्यवस्था समझौता:
 - इसका उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु लचीलापन और **गरीनहाउस गैस के उत्सर्जन** को कम करने की दशा में पर्यासों में तेज़ी लाना है।
 - भारत ने "कोआपरेटिव वर्क प्रोग्राम" (CWP) नामक एक नए सहयोगात्मक प्रयास शुरू करने में अग्रणी भूमिका नभाई है, जो इलेक्ट्रॉनिक अपशषिट से मूल्यवान संसाधनों को पुनः प्राप्त करने पर केंद्रित है, जिसे ई-अपशषिट शहरी खनन के रूप में भी जाना जाता है।
- IPEF कैटेलटिक कैपिटल फंड:
 - यह फंड IPEF की उभरती और उच्च-मध्यम आय अर्थव्यवस्थाओं में स्वच्छ अर्थव्यवस्था अवसंरचना परियोजनाओं को समर्थन देने के लिये शुरू किया गया था।
 - ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और अमेरिका जैसे संस्थापक समर्थकों ने **3.3 बलियन अमेरिकी डॉलर** के नज़ी नविश को प्रेरित करने के लिये प्रारंभिक अनुदान के रूप में **33 मिलियन अमेरिकी डॉलर** प्रदान किये हैं।
- नषिपक्ष अर्थव्यवस्था समझौता:
 - इसका उद्देश्य अधिकांश पारदर्शी और पूर्वानुमानित कारोबारी माहौल बनाना, नषिपक्ष प्रतसिपर्द्धा को बढ़ावा देना और भ्रष्टाचार के वरिद्ध पर्यासों को बढ़ाना है।
 - भारत ने **डिजिटल फोरेंसिक्स एवं सिस्टम-संचालित जोखिम विश्लेषण** में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रकाश डाला जिसे वह अन्य IPEF साझेदारों को प्रदान करेगा।
- IPEF अपस्कलिगि पहल:
 - यह IPEF साझेदार देशों में मुख्य रूप से महिलाओं और लड़कियों को डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है।
 - पिछले 2 वर्षों में इसने **10.9 मिलियन** अपस्कलिगि अवसर प्रदान किये हैं, जिनमें से **4 मिलियन** भारत में थे।

IPEF क्या है?

- परिचय:
 - IPEF को 23 मई, 2022 को टोक्यो, जापान में लॉन्च किया गया था, जिसमें 14 देश शामिल हैं। IPEF क्षेत्र में विकास, आर्थिक स्थिरता और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ साझेदार देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव तथा सहयोग को मज़बूत करना चाहता है।
- सदस्य:
 - ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फ़िजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूज़ीलैंड, फ़िलीपींस, सगिापुर, थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और वयितनाम।
 - ये 14 IPEF भागीदार वैश्विक **सकल घरेलू उत्पाद** का **40%** और वैश्विक वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार का **28%** प्रतनिधित्व करते हैं।
- स्तंभ:
 - IPEF 4 मुख्य स्तंभों पर आधारित है: (I) नषिपक्ष और लचीला व्यापार, (II) आपूर्ति शृंखला में लचीलापन (III) स्वच्छ अर्थव्यवस्था (नवीकरणीय ऊर्जा एवं कार्बन उत्सर्जन में कमी) तथा (IV) नषिपक्ष अर्थव्यवस्था (कर और भ्रष्टाचार वरिधी नीतियाँ)।

- भारत IPEF के स्तंभ II से IV में शामिल हो गया है, जबकि स्तंभ I में उसे पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।
- नष्टिपक्ष एवं लचीला व्यापार (स्तंभ I): इसका उद्देश्य क्षेत्र में आर्थिक विकास, शांति और समृद्धि को बढ़ावा देना है।
- आपूर्ति-शृंखला लचीलापन (स्तंभ II): आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक लचीला, मज़बूत और अच्छी तरह से एकीकृत बनाने का प्रयास करना।
 - महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, कनेक्टिविटी और नविश को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
 - अपस्कलिंग और रीस्कलिंग पहलों के माध्यम से श्रमिकों की भूमिका को बढ़ाने का लक्ष्य है।
- स्वच्छ अर्थव्यवस्था (स्तंभ III): इसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों पर सहयोग को बढ़ावा देना है।
 - यह स्वच्छ ऊर्जा के अनुसंधान, विकास, व्यावसायीकरण और उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।
 - भारत-प्रशांत क्षेत्र में जलवायु संबंधी परियोजनाओं में नविश को प्रोत्साहित करता है।
- नष्टिपक्ष अर्थव्यवस्था (स्तंभ IV): प्रभावी भ्रष्टाचार वरिधी और कर उपायों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
 - भ्रष्टाचार से निपटने के लिये वधायी और प्रशासनिक ढाँचे में सुधार हेतु भारत द्वारा उठाए गए मज़बूत कदमों पर प्रकाश डाला गया।



CPTPP

CPTPP applicants



ECUADOR



TAIWAN



UNITED KINGDOM

CHINA



CANADA



CHILE



PERU



MEXICO

UNITED STATES



INDIA



FIJI



SOUTH KOREA



AUSTRALIA



JAPAN



NEW ZEALAND



SINGAPORE



VIETNAM



MALAYSIA



BRUNEI



THAILAND



PHILIPPINES



INDONESIA



MYANMAR



CAMBODIA



LAOS



IPEF

RCEP

ASEAN

